SET-1

Series BVM/2

कोड नं.
Code No. **29/2/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

downloaded from StudentSuvidha.com

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *11*

प्रशंसा और निंदा करना मनुष्य के स्वभाव में है । जो हमें अच्छा लगता है उसकी प्रशंसा और जो बुरा लगता है उसकी बुराई मुँह से निकल ही जाती है । निंदा एक रहस्यमय व्यापार है जो हम छिपकर करते हैं, जिससे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बनी रहे । निंदा करने वाले को इस व्यापार में जितना रस अर्थात् कमाई होती है उतना प्रशंसा करने वाले को कहाँ ?

वस्तुत: निंदा का व्यापार ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित है । यह ईर्ष्या प्राय: अकारण होती है – दूसरे की उन्नति हुई नहीं कि हमें उसके प्रति जलन, दुख, क्रोधादि मनोविकार ने आ दबोचा नहीं । अपनी अक्षमता से पीड़ित हुए ही हम किसी की बुराई करते हैं । निंदा का उद्‌गम ही व्यक्ति की हीनता और कमज़ोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निंदा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहम् की इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटा कर छोटी लकीर बड़ी बनती है । मनुष्य ज्यों-ज्यों कर्मक्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इनसे उत्पन्न निंदा की प्रवृत्ति को मारता है ।

निंदा की ऐसी ही महिमा है । दो-चार निंदकों को एक जगह बैठकर निंदा में मग्न देखिए और तुलना कीजिए दो-चार ईश्वर भक्तों से जो भजन कर रहे हैं । निंदकों की-सी एकाग्रता, परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में दुर्लभ है । इसीलिए संतों ने निंदकों को “आँगन कुटी छवाय” निकट रखने की सलाह दी है ।

निंदक नियरे राखिए आँगन कुटी छवाय ।
बिन पानी, साबुन बिना निर्मल करे सुभाय ।।

(क) व्यक्ति किसी की निंदा क्यों करता है ? निंदा करने से उसे तत्काल क्या लाभ होता है ? *2*

(ख) निंदा का उद्‌गम स्रोत क्या है ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) निंदक और भक्त में क्या अंतर है ? *2*

(घ) निंदक को अपने निकट रखने का सुझाव क्यों दिया गया है ? *2*

(ङ) “बड़ी लकीर को कुछ मिटा कर छोटी लकीर बड़ी बनती है ।” गद्यांश के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

जिनकी भुजाओं की शिराएँ फड़की ही नहीं,
जिनके लहू में नहीं वेग है अनल का
शिव का पादोदक है पेय जिनका रहा,
चखा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

जिनके हृदय में कभी आग सुलगी ही नहीं
ठेस लगते ही अहंकार नहीं छलका ।
जिनको सहारा नहीं भुज के प्रताप का है,
बैठते भरोसा किए वे ही आत्मबल का ।

उसकी क्षमा, सहिष्णुता का है महत्त्व ही क्या
करना ही आता नहीं जिनको प्रहार है ?
करुणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे
ले न सकता जो बैरियों से प्रतिकार है ?

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है;
करुणा, क्षमा हैं क्लीव जाति के कलंक घोर,
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का सिंगार है ।।

(क) कवि की दृष्टि में अपने शत्रु से बदला न लेने वाले लोग किस प्रकार के होते हैं ?

(ख) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर शूरवीरों के लक्षण लिखिए ।

(ग) प्रस्तुत काव्य-पंक्तियों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

(घ) करुणा, क्षमा, सहानुभूति गुण वीरता का शृंगार क्यों बताए गए हैं – स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए :
उसकी क्षमा, सहिष्णुता का है महत्त्व ही क्या
करना ही आता नहीं जिनको प्रहार है ?

अथवा

उस खेतिहर से पूछो अपने खेतों में जो अन्न उगाता
गेहूँ, चाउर और चने के कुनबे पर जो बलि-बलि जाता
हल की मुठिया जिसका बल है, हँसिया पर जो है इतराता
बढ़िया पैदा हुई फ़सल के हर दाने पर झूमा जाता
क्या वह चाहेगा दुनिया में फिर से कोई आग लगाए ?
उसके ऊपर या खेतों पर कोई हिंसक बम गिराए ?
क्या वह देखेगा आँखों से फिर से कोई रक्त बहाए ?
उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर असमय भस्म बनाए ?
मैं कहता हूँ; वह खेतिहर तो पूरी तरह विरोध करेगा
युद्ध-समर्थक हत्यारों की करनी का विरोध करेगा
सबसे पहले शांति-समर्थक उसका ऊँचा हाथ उठेगा
निश्चय साहस से सम्मानित उसका ऊँचा माथ उठेगा

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

वह अपनी जनता से अपने खेतों का संदेश कहेगा
युद्ध विरोधी तैयारी में रण के दारुण क्लेश कहेगा
वह घहरेगा जैसे कोई मेघ घहर कर ललकारेगा
मैं कहता हूँ उसके बल से हत्यारों का दल हारेगा ।

(क) खेतिहर-किसान कब प्रसन्न होता है और क्यों ?

(ख) किसान युद्ध रहित शांति क्यों चाहता है ?

(ग) किसान के दृष्टिकोण से युद्ध के दारुण क्लेश क्या-क्या हो सकते हैं ?

(घ) रक्षा हेतु वह प्रथम प्रयास क्या करेगा ? कवि इसके बारे में क्या संभावना व्यक्त करता है ?

(ङ) आशय समझाइए – 'वह अपनी जनता से अपने खेतों का संदेश कहेगा ।'

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : *8*

(क) मेरे सपनों का भारत

(ख) साम्प्रदायिकता विकास में बाधक

(ग) अंधविश्वासों में जकड़ा भारतीय समाज

(घ) अधिक जनसंख्या बोझ या वरदान

4. एक प्रतिष्ठित बैंक को ग्रीष्मावकाश में एक मास के लिए कुछ नवयुवकों/नवयुवतियों की आवश्यकता है जो घर-घर जाकर प्रचार कर सकें । अपनी रुचि, कुशलता और अनुभव आदि का उल्लेख करते हुए बैंक के मुख्य प्रबंधक को आवेदन-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

रेलवे स्टेशनों और चलती गाड़ियों में मिलने वाली खाद्य सामग्री प्राय: मिलावट वाली और प्लास्टिक की थैलियों या गंदे लिफ़ाफ़ों में होती है । इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए रेलवे बोर्ड के खान-पान विभाग के अधीक्षक को पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) समाचार किसे कहते हैं ?

(ख) सम्पादक की दो भूमिकाएँ लिखिए ।

(ग) पत्रकारिता के दो उद्देश्य लिखिए ।

(घ) पत्रकारिता में 'बीट' किसे कहा जाता है ?

(ङ) खोजी रिपोर्ट से क्या तात्पर्य है ?

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

6. 'चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है' – इस विषय पर अपने क्षेत्र के किसी चुनाव के अनुभवों पर एक आलेख लिखिए । *3*

अथवा

किसी पुस्तक मेले पर एक फ़ीचर लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

चढ़ कर मेरे जीवन-रथ पर
प्रलय चल रहा अपने पथ पर ।
मैंने निज दुर्बल पद-बल पर,
उससे हारी होड़ लगाई ।

लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करुणा हा-हा खाती
विश्व ! न सँभलेगी यह मुझसे
इससे मन की लाज गँवाई ।

अथवा

भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे ।।
सुनहु पथिक ! वो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।
तुलसी मोहिं और सबहिन तैं इन्हको बड़ो अंदेसो ।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के उत्तर लिखिए : *2×2=4*

(क) 'वसंत' कविता में कवि की चिंता क्या है, उस पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'तर्पण' से क्या आशय है ? 'निराला' ने अपनी पुत्री का तर्पण किस प्रकार किया ?

(ग) "रुई दिए रहोगे कहाँ लौं बहरायबे कौ ?
कबहूँ तौ मेरियै पुकार कान खोलि है ।"
काव्य-पंक्तियों का मुख्य भाव स्पष्ट कीजिए ।

(घ) विद्यापति के पद के आधार पर प्रियतमा के दुख के कारणों का उल्लेख कीजिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से ***किन्हीं दो*** का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : *3×2=6*

(क) हेम कुंभ ले उषा सवेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब जगकर रजनी भर तारा ।

(ख) पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग ।
सो धनि बिरहें जरि मुई तेहिक धुआँ हम लाग ।।

(ग) तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना !
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह शहर ।

(घ) देखती मुझे तू हँसी मंद,
होठों में बिजली फँसी स्पंद
उर में भर झूली छबि सुंदर
प्रिय की अशब्द शृंगार-मुखर

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किसी एक*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5*

मैं तो केवल निमित्त मात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था । मैंने पुत्र को जन्म दिया, उसका लालन-पालन किया, बड़ा हो जाने पर उसके रहने के लिए विशाल भवन बनवा दिया, उसमें उसका गृह-प्रवेश करा दिया, उसके संरक्षण एवं परिवर्धन के लिए एक सुयोग्य अभिभावक डॉ. सतीश चंद्र काला को नियुक्त कर दिया और फिर मैंने संन्यास ले लिया ।

अथवा

जहाँ बाहर का आदमी फटकता न था, वहाँ केंद्रीय और राज्य सरकारों के अफ़सरों, इंजीनियरों, विशेषज्ञों की कतार लग गई । जिस तरह ज़मीन पर पड़े शिकार को देखकर आकाश में गिद्धों और चीलों का झुंड मँडराने लगता है, वैसे ही सिंगरौली की घाटी और जंगलों पर ठेकेदारों, वन अधिकारियों और सरकारी कारिंदों का आक्रमण शुरू हुआ ।

11. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) "गंगा मैया ही उनकी जीविका और जीवन है" – 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर गंगापुत्रों पर यह कथन कैसे घटित होता है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) संवदिया होकर भी हरगोबिन बड़ी बहू का संवाद पहुँचाए बिना लौट आया । फिर भी बड़ी बहू ने उसे दूध चिउड़ा खिलाया । इस घटना पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ग) 'बालक बच गया' शीर्षक मनके के आलोक में शिक्षा पद्धति की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(घ) 'शेर' शीर्षक लघुकथा में निहित व्यंग्य पर टिप्पणी कीजिए ।

12. केदारनाथ सिंह अथवा विद्यापति का जीवन एवं साहित्य का परिचय देते हुए उनकी दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

रामचन्द्र शुक्ल अथवा पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी के जीवन, रचनाओं का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. "तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे" – इस कथन के संदर्भ में सूरदास के चरित्र का विवेचन कीजिए । *4*

अथवा

"यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी ।" 'सूरदास' कहानी के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) 'बिस्कोहर' पाठ में लेखक ने बिस्कोहर में हुई बरसात का जो वर्णन किया है – उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) लेखक प्रभाष जोशी को क्यों लगता है कि हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

(ग) "आरोहण कहानी पहाड़ी क्षेत्रों के कर्मठ और साहसी लोगों के जीवन का दर्पण है ।" सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए ।

(घ) परदेश से घर लौटते रूपसिंह के मन की झिझक और लाज के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

StudentSuvidha.com downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com